

**अप्रतिहत वि. (तत्.)** 1. जिसे कोई रोक-टोक न हो 2. अबाधित; अटूट, निरंतर 3. अपराजित विलो. प्रतिहत।

**अप्रतिहार्य वि. (तत्.)** 1. जिसका प्रतिहार या निवारण न किया जा सके 2. जिसे रोकना संभव न हो।

**अप्रतीक वि. (तत्.)** 1. अंगहीन, शरीररहित 2. ब्रह्म।

**अप्रतीकार पुं. (तत्.)** दे. अप्रतिकार।

**अप्रतीत वि. (तत्.)** 1. अगम्य 2. अस्पष्ट 3. अनभिव्यक्त 4. निर्विरोध।

**अप्रतीतत्व पुं. (तत्.)** काव्य. एक काव्यगत दोष, जिसके कारण अर्थ प्रतीति में बाधा आती हो।

**अप्रतीति स्त्री. (तत्.)** 1. अर्थ या रूप आदि का समझ में न आना 2. अविश्वास, शंका।

**अप्रतीयमान वि. (तत्.)** 1. अनिश्चित 2. अनभिव्यक्त 3. अज्ञेय विलो. प्रतीयमान।

**अप्रतुल वि. (तत्.)** 1. जिसकी तुलना न की जा सके, 2. जिसे तोलना कठिन हो, अद्वितीय, अनुपम पुं. भार का अभाव।

**अप्रत्यक्ष वि. (तत्.)** 1. परोक्ष, जो प्रत्यक्ष न हो 2. छिपा, गुप्त, अगोचर विलो. प्रत्यक्ष।

**अप्रत्यक्ष कर पुं. (तत्.)** वाणि. किसी अन्य संबंधित व्यक्ति पर आंशिक या पूर्ण रूप से लगाया जाने वाला कर जैसे- बिक्री कर 'एक अप्रत्यक्ष कर क्योंकि इसका भार अंततः उपभोक्ता पर पड़ता है।

**अप्रत्यक्ष निर्वाचन पुं. (तत्.)** मतदाताओं द्वारा सीधे न चुने जाकर निर्वाचक मंडल द्वारा चुना जाना indirect election तु. प्रत्यक्ष निर्वाचन।

**अप्रत्यय पुं. (तत्.)** प्रत्यय अर्थात् ज्ञान या विश्वास का अभाव वि. (तत्.) 1. विश्वासहीन 2. ज्ञानहीन, बोधरहित 3. प्रत्यय या विभक्ति रहित।

**अप्रत्याशित वि. (तत्.)** 1. जिसकी आशा न हो, असंभावित अकल्पित 2. अकस्मात् विलो. प्रत्याशित।

**अप्रत्याशित समाचार पुं. (तत्.)** पूर्व सूचना या आशा के बिना प्राप्त/प्रकाशित समाचार, (प्रायः दुर्घटनाओं के समाचार ऐसे ही होते हैं।

**अप्रत्यायन पुं. (तत्.)** 1. प्रामाणिकता का न होना 2. मान्यता समाप्त करना।

**अप्रदत्ता स्त्री. (तत्.)** 1. वह कन्या जिसका विवाह (या वाग्दान) अभी न हुआ हो 2. न चुकाई गई (राशि), प्रदान न की गई (राशि)।

**अप्रधान वि. (तत्.)** जो प्रधान या मुख्य न हो, गौण, छोटा, अनुषंगी पुं. (तत्.) गौण कार्य विलो. प्रधान।

**अप्रभ वि. (तत्.)** 1. प्रभावहीन, तेजहीन, कांतिहीन, निष्प्रभ 2. हतप्रभ 3. तुच्छ।

**अप्रभावित वि. (तत्.)** 1. जिस पर (किसी बात या व्यक्ति का) प्रभाव न पड़े 2. प्रभावहीन।

**अप्रभावी वि. (तत्.)** जो प्रभाव शून्य हो गया हो, अप्रभावशील, निष्प्रभाव।

**अप्रभु वि. (तत्.)** जो प्रभु या स्वामी न हो, जो शासक न हो, जो समर्थ न हो।

**अप्रभूति स्त्री. (तत्.)** 1. प्रभूत न होने की स्थिति स्वल्पता 2. अप्रचुरता, अल्पता

**अप्रमत्त वि. (तत्.)** 1. जो नशे में नहीं है 2. अप्रमादी, सतर्क।

**अप्रमा स्त्री. (तत्.)** वास्तविक ज्ञान का अभाव, मिथ्या ज्ञान, भ्रमात्मक ज्ञान।

**अप्रमाण पुं. (तत्.)** प्रमाण का अभाव वि. जो प्रमाणित न हो।

**अप्रमाण पुस्तक पुं. (तत्.)** अप्रमाणित पुस्तक वह पुस्तक जिसके लेखक या विषयवस्तु की प्रामाणिकता संदिग्ध हो।

**अप्रमाणित वि. (तत्.)** जो प्रमाणित या प्रमाणों से पुष्ट न हो, अपुष्ट।

**अप्रमाद पुं. (तत्.)** सावधानी, सतर्कता, वि. सावधान, जागरूक, सचेत।